# भारत माता

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

## अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

### » नेहरू जी का जनता से संवाद और 'हिंदुस्तान' की चर्चा

**प्रश्न 1 (आसान). नेहरू जी शहरों में हिंदुस्तान की चर्चा क्यों कम करते थे?**
उत्तर – नेहरू जी को लगता था कि शहरों के लोग 'ज़्यादा सयाने थे' और उन्हें दूसरे किस्म की 'गिज़ा' यानी ज्ञान की ज़रूरत थी, उनकी समस्याएँ और समझ किसानों से अलग थी।

**प्रश्न 2 (आसान). किसान और नेहरू जी के अनुसार 'भारत माता' में क्या अंतर था?**
उत्तर – किसान 'भारत माता' का अर्थ 'धरती' से लेते थे, जबकि नेहरू जी उन्हें समझाते थे कि 'भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं' जो इस देश में फैले हुए हैं।

**प्रश्न 3 (मध्यम). नेहरू जी किसानों की समस्याओं का ज़िक्र क्यों करते थे?**
उत्तर – वो किसानों की 'गरीबों, कर्ज़दारों, पूँजीपतियों के शिकंजे' जैसी समस्याओं का ज़िक्र इसलिए करते थे, ताकि उन्हें अपनी साझा तकलीफ़ें समझ आएँ और वे एकजुट होकर आज़ादी के लिए लड़ें, ये दिखाएँ कि पूरे देश में समस्याएँ एक जैसी हैं।

**प्रश्न 4 (कठिन). नेहरू जी के अनुसार 'स्वराज्य' का क्या महत्व था और वो इसे किसानों को कैसे समझाते थे?**
उत्तर – नेहरू जी के अनुसार 'स्वराज्य' सिर्फ़ कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि 'सभी के फ़ायदे के लिए' था। वो इसे किसानों की रोज़मर्रा की समस्याओं, जैसे 'ज़मींदार, महाजन, कड़े लगान' से जोड़कर समझाते थे कि इन सब से छुटकारा पाने का एक ही रास्ता है - अपना राज यानी स्वराज्य, जिससे सबका भला होगा।

### » किसानों की साझा समस्याएँ और विदेशी शासन का बोझ

**प्रश्न 5 (आसान). नेहरू जी के अनुसार, किसान सबसे ज़्यादा किस चीज़ से परेशान थे?**
उत्तर – गरीबी और कर्ज़ से।

**प्रश्न 6 (आसान). विदेशी सरकार ने किसानों पर क्या 'लाद रखा' था?**
उत्तर – एक ऐसा 'ढर्रा' या व्यवस्था, जिससे उनकी समस्याएँ बढ़ती थीं।

**प्रश्न 7 (मध्यम). नेहरू जी किसानों की समस्याओं को 'एक-सा' क्यों मानते थे?**
उत्तर – क्योंकि पूरे देश में किसान एक जैसी तकलीफों से गुज़र रहे थे – गरीबी, कर्ज़, शोषण और विदेशी शासन की नीतियाँ सब पर एक जैसा बुरा असर डाल रही थीं।

**प्रश्न 8 (कठिन). आपकी राय में, नेहरू जी के लिए किसानों को 'विदेशी शासन' और उनकी समस्याओं के बीच का संबंध समझाना क्यों ज़रूरी था?**
उत्तर – नेहरू जी के लिए यह समझाना इसलिए ज़रूरी था ताकि किसान अपनी अलग-अलग समस्याओं को सिर्फ़ अपनी किस्मत न मानें, बल्कि यह समझें कि उनका असली कारण विदेशी शासन की शोषणकारी नीतियाँ हैं। इससे उनमें राष्ट्रीय चेतना जागृत होती और वे आज़ादी की लड़ाई में एकजुट होकर भाग लेते।

### » भारत और विश्व का संबंध

**प्रश्न 9 (आसान). नेहरू जी किन महाद्वीपों के देशों का ज़िक्र करते थे?**
उत्तर – एशिया, यूरोप और अफ्रीका (अबिसिनिया-इथियोपिया का उल्लेख है)

**प्रश्न 10 (आसान). नेहरू जी किस देश की 'तरक्की' के बारे में बात करते थे?**
उत्तर – अमेरिका

**प्रश्न 11 (मध्यम). नेहरू जी का यह काम 'आसान' क्यों नहीं था?**
उत्तर – यह काम इसलिए आसान नहीं था क्योंकि ज़्यादातर किसान पढ़े-लिखे नहीं थे और वे कभी अपने गाँव से बाहर नहीं गए थे, इसलिए उन्हें दूर देशों की घटनाओं को समझाना मुश्किल था।

**प्रश्न 12 (कठिन). नेहरू जी के अनुसार, किसानों के लिए दुनिया के बारे में जानना क्यों ज़रूरी था?**
उत्तर – नेहरू जी के अनुसार, किसानों के लिए दुनिया के बारे में जानना ज़रूरी था ताकि वे अपनी समस्याओं को बड़े संदर्भ में समझ सकें, यह देख सकें कि कैसे दुनिया की घटनाएँ उन पर असर डाल सकती हैं, और भारत को एक 'वैश्विक इकाई' के रूप में देख सकें।

## » किसानों के लिए वैश्विक ज्ञान की सुलभता

**प्रश्न 13 (आसान). नेहरू जी के अनुसार, किसानों को देश की कल्पना कराने में किस चीज़ ने मदद की?**
उत्तर – पुराने महाकाव्यों और पुराणों की कथाओं ने।

**प्रश्न 14 (आसान). कौन से लोग किसानों को विदेश के बारे में जानकारी देते थे?**
उत्तर – पिछली बड़ी जंग या धावों के सिलसिले में विदेश में रहे पुराने सिपाही।

**प्रश्न 15 (मध्यम). आर्थिक मंदी का क्या प्रभाव पड़ा जिससे किसानों को वैश्विक जानकारी समझने में आसानी हुई?**
उत्तर – 1930 की आर्थिक मंदी ने किसानों को वैश्विक आर्थिक समस्याओं से जोड़ा, जिससे वे दूसरे मुल्कों के बारे में नेहरू जी के हवाले आसानी से समझ पाते थे।

**प्रश्न 16 (कठिन). किसानों को विश्व से जोड़ने में नेहरू जी को किन तीन मुख्य प्रकार के लोगों से मदद मिली?**
उत्तर – किसानों को विश्व से जोड़ने में नेहरू जी को तीर्थ यात्रा करने वाले लोगों, विदेशों में नौकरी कर चुके पुराने सिपाहियों और महाकाव्यों व पुराणों की कहानियों से मदद मिली।

## » 'भारत माता की जय' का वास्तविक अर्थ

**प्रश्न 17 (आसान). किसानों के अनुसार 'भारत माता' का सामान्य अर्थ क्या था?**
उत्तर – धरती या ज़मीन।

**प्रश्न 18 (आसान). नेहरू जी जलसों में पहुँचने पर कौन-सा नारा सुनते थे?**
उत्तर – 'भारत माता की जय!'

**प्रश्न 19 (मध्यम). नेहरू जी 'भारत माता' के अर्थ को लेकर लोगों से क्या सवाल करते थे?**
उत्तर – वे पूछते थे कि यह 'भारत माता' कौन है और 'जय' का क्या मतलब है, क्या यह उनके गाँव की धरती है या पूरे हिंदुस्तान की।

**प्रश्न 20 (कठिन). नेहरू जी ने 'भारत माता' की अवधारणा को कैसे विस्तृत किया और इसका किसानों पर क्या प्रभाव पड़ा?**
उत्तर – नेहरू जी ने बताया कि 'भारत माता' में सिर्फ़ धरती, नदी, पहाड़ ही नहीं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण देश के करोड़ों लोग हैं। जब किसानों को यह बात समझ आती थी कि वे स्वयं 'भारत माता' का अंश हैं, तो उनकी आँखों में चमक आ जाती थी, जैसे उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

## » आप ही भारत माता हैं: एकता का संदेश

**प्रश्न 21 (आसान). नेहरू जी ने किसानों को 'भारत माता' का क्या बताया?**
उत्तर – नेहरू जी ने किसानों को 'भारत माता का अंश' बताया।

**प्रश्न 22 (आसान). नेहरू जी के कहने पर किसानों की आँखों में क्या आ जाती थी?**
उत्तर – नेहरू जी के कहने पर किसानों की 'आँखों में चमक आ जाती' थी।

**प्रश्न 23 (मध्यम). 'आप ही भारत माता हैं' से नेहरू जी कौन-सा महत्वपूर्ण संदेश देना चाहते थे?**
उत्तर – वे एकता, अपनत्व और आत्म-सम्मान का संदेश देना चाहते थे, जिससे लोगों को अपने देश और स्वयं पर गर्व महसूस हो।

**प्रश्न 24 (कठिन). नेहरू जी का 'भारत माता' की अवधारणा को इस तरह से समझाने का उद्देश्य क्या था? विस्तार से समझाइए।**
उत्तर – नेहरू जी का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय भावना, एकता और अपनेपन का भाव जगाना था। वे चाहते थे कि हर व्यक्ति समझे कि देश कोई अमूर्त चीज़ नहीं, बल्कि उसका अस्तित्व हम सब से है। जब लोग खुद को भारत माता का अंश समझेंगे, तो उनमें देश के प्रति ज़िम्मेदारी और गर्व का भाव आएगा, जिससे वे देश के लिए मिलकर काम करेंगे। यह उनके आत्म-सम्मान को भी बढ़ाता था, क्योंकि उन्हें महसूस होता था कि वे सिर्फ़ छोटे किसान नहीं, बल्कि 'भारत माता' का ही हिस्सा हैं।

## हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

**उदाहरण 1. नेहरू जी किसानों को हिंदुस्तान की एकता कैसे समझाते थे?**

› पहला, नेहरू जी अपनी यात्राओं का ज़िक्र करते थे, जैसे 'उत्तर-पच्छिम में खैबर के दर्रे से लेकर धुर दक्खिन में कन्याकुमारी तक' की यात्रा।

› दूसरा, वो बताते थे कि पूरे देश में किसानों की समस्याएँ 'एक-सी थीं' - जैसे 'गरीबों, कर्ज़दारों, पूँजीपतियों के शिकंजे' और 'ज़मींदार, महाजन, कड़े लगान और सूद, पुलिस के ज़ुल्म'।

› तीसरा, इन समस्याओं को 'एक विदेशी सरकार' के 'ढप्े' यानी शासन से जोड़कर समझाते थे, ताकि उन्हें अपनी साझा दुश्मन और लक्ष्य (आज़ादी) समझ आए।

› आखिर में, वो कहते थे कि 'हिंदुस्तान एक था', भले ही देश के हिस्से अलग दिखते हों, पर सबकी समस्याएँ एक थीं और स्वराज्य 'सभी के फ़ायदे के लिए' था।

**उत्तर – नेहरू जी अपनी देशव्यापी यात्राओं और किसानों की साझा समस्याओं के ज़रिए उन्हें समझाते थे कि भौगोलिक और सांस्कृतिक विभिन्नता के बावजूद पूरा हिंदुस्तान एक है, और उनकी समस्याएँ एक ही विदेशी शासन के कारण हैं, जिसका हल केवल एक होकर स्वराज्य पाने में है।**

**उदाहरण 2. नेहरू जी के अनुसार, किसान किन समस्याओं से पीड़ित थे और इन समस्याओं का विदेशी शासन से क्या संबंध था?**

› पहले किसानों की मुख्य समस्याओं की पहचान करें: गरीबी, कर्ज़, जमींदारों व महाजनों का शोषण, कड़े लगान व सूद, पुलिस के ज़ुल्म।

› अब देखें कि इन समस्याओं का विदेशी शासन से क्या जुड़ाव था। नेहरू जी ने स्पष्ट किया था कि ये सभी समस्याएँ उस 'ढर्रे' का हिस्सा थीं, जिसे 'एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था'।

› इसका मतलब है कि विदेशी सरकार की नीतियाँ (जैसे टैक्स और लगान बढ़ाना, किसानों पर ध्यान न देना) ही इन समस्याओं की जड़ थीं, जिनसे सभी किसान परेशान थे।

**उत्तर – नेहरू जी के अनुसार, किसान गरीबी, कर्ज़, जमींदारों-महाजनों के शोषण, कड़े लगान और पुलिस के ज़ुल्म जैसी समस्याओं से पीड़ित थे। इन सभी समस्याओं का सीधा संबंध विदेशी शासन की शोषणकारी नीतियों से था, जिन्होंने इन परेशानियों को जन्म दिया और बढ़ाया।**

**उदाहरण 3. नेहरू जी किसानों को किन देशों की घटनाओं से परिचित कराते थे और क्यों?**

› पहला कदम यह समझना है कि नेहरू जी किसानों की सोच को 'सीमित' नहीं रखना चाहते थे, बल्कि उसे 'विस्तृत' करना चाहते थे।

› दूसरा कदम यह जानना है कि उन्होंने किन देशों का ज़िक्र किया था। उन्होंने 'चीन, स्पेन, अबिसिनिया (इथियोपिया), मध्य यूरोप, मिस्र और पश्चिमी एशिया' में हो रही 'कशमकशों' का ज़िक्र किया।

› तीसरा कदम यह जानना है कि उन्होंने 'सोवियत यूनियन' में हो रही 'अचरज-भरी तब्दीलियों' और 'अमेरिका की तरक्की' के बारे में भी बताया।

› आखिर में, इन सभी देशों की घटनाओं के बारे में बताने का मुख्य कारण 'किसानों की सोच को बड़ी दुनिया से जोड़ना' और उन्हें यह समझाना था कि हम सब इस 'बड़ी दुनिया के एक जुज़ (भाग)' हैं।

**उत्तर – नेहरू जी किसानों को चीन, स्पेन, अबिसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्र, पश्चिमी एशिया, सोवियत यूनियन और अमेरिका जैसे देशों की घटनाओं से परिचित कराते थे। उनका उद्देश्य यह था कि किसान केवल अपनी स्थानीय समस्याओं तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें 'बड़ी दुनिया' की समझ हो और वे वैश्विक स्तर पर हो रही घटनाओं से भारत के संबंध को भी समझ सकें।**

**उदाहरण 4. नेहरू जी को किसानों को दुनिया की बातें समझाना क्यों आसान लगा?**

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि किसान पहले से किन चीज़ों से परिचित थे।

› दूसरा कदम: याद करें कि किसानों को 'पुराने महाकाव्यों ने और पुराणों की कथा-कहानियों ने' पूरे देश की कल्पना दी थी।

› तीसरा कदम: याद करें कि 'बड़े-बड़े तीर्थों की यात्रा' करने वाले लोग दूर-दूर के बारे में बताते थे।

› चौथा कदम: याद करें कि 'पुराने सिपाही' जिन्होंने 'विदेशों में नौकरियाँ की थीं', वे भी बाहर की दुनिया के बारे में बताते थे।

› पाँचवाँ कदम: आख़िर में, 'सन् तीस के बाद जो आर्थिक मंदी पैदा हुई थी', उसने किसानों को दुनिया के आर्थिक मामलों से जोड़ा था।

› निष्कर्ष: इन सब माध्यमों से किसानों के पास पहले से ही एक आधारभूत ज्ञान था, जिससे नेहरू जी की बातें उन्हें जल्दी समझ आती थीं।

**उत्तर – नेहरू जी को किसानों को दुनिया की बातें समझाना आसान लगा क्योंकि किसान पहले से ही महाकाव्यों और पुराणों की कथाओं, तीर्थ यात्राओं और विदेश में रहे सिपाहियों के अनुभवों के ज़रिए देश और विदेश के बारे में कुछ-कुछ जानते थे, और 1930 की आर्थिक मंदी ने भी उन्हें वैश्विक घटनाओं से जोड़ा था।**

**उदाहरण 5. नेहरू जी के अनुसार, 'भारत माता' शब्द की सबसे महत्वपूर्ण पहचान क्या है?**

› सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि नेहरू जी किस बात पर ज़ोर देते थे जब किसान 'भारत माता की जय' कहते थे।

› शुरुआत में, किसान 'भारत माता' का मतलब सिर्फ़ धरती, गाँव की ज़मीन, ज़िला या सूबा समझते थे।

› पर नेहरू जी ने समझाया कि 'नदी और पहाड़, जंगल और खेत' के साथ-साथ 'हिंदुस्तान के लोग' सबसे ज़रूरी हैं।

› उन्होंने कहा, 'भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और 'भारत माता की जय!' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का।'

› इससे स्पष्ट है कि नेहरू जी के लिए 'भारत माता' की सबसे महत्वपूर्ण पहचान 'करोड़ों भारतीय लोग' थे।

**उत्तर – नेहरू जी के अनुसार, 'भारत माता' शब्द की सबसे महत्वपूर्ण पहचान 'देश के करोड़ों लोग' हैं।**

**उदाहरण 6. नेहरू जी के अनुसार 'आप ही भारत माता हैं' का क्या अर्थ है और यह क्या संदेश देता है?**

› नेहरू जी का कहना था कि 'भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं' जो देश में रहते हैं।

› वे किसानों से कहते थे कि 'तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो।'

› इसका अर्थ है कि भारत माता कोई मूर्ति या भूभाग मात्र नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक में भारत माता का वास है।

› यह संदेश देता है कि हम सभी भारतीय एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, और हम सबकी खुशहाली ही भारत माता की खुशहाली है। यह एकता, अपनत्व और सम्मान का भाव पैदा करता है।

**उत्तर – नेहरू जी के अनुसार 'आप ही भारत माता हैं' का अर्थ है कि देश के करोड़ों नागरिक ही मिलकर भारत माता को**

**बनाते हैं, और हर व्यक्ति उसका एक अभिन्न अंग है। यह संदेश देता है कि हम सब एक हैं, और हम सभी को मिलकर देश के विकास और एकता के लिए काम करना चाहिए।**

## बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर नेहरू जी के संवाद के उद्देश्य और 'भारत माता' की अवधारणा पर आधारित लघु उत्तरीय या दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के रूप में पूछा जाता है। उनके संवाद के पीछे के कारणों को ज़रूर समझें।

• यह प्रश्न अक्सर आता है कि नेहरू जी किसानों को दुनिया से जोड़ने के लिए किन देशों का उदाहरण देते थे, इसलिए उन देशों के नाम याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• यह प्रश्न 'नेहरू जी को दुनिया के बारे में किसानों को बताना क्यों आसान था?' बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। सारे बिंदुओं को याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• यह प्रश्न परीक्षा में 'नेहरू जी की भारत माता संबंधी अवधारणा' के रूप में आ सकता है, इसे ध्यान से समझो।

## एक नज़र में रिवीज़न

› नेहरू जी ने किसानों को 'हिंदुस्तान की एकता' और 'स्वराज्य का अर्थ' समझाया।

› नेहरू जी ने किसानों को विश्व की घटनाओं (चीन, स्पेन, सोवियत यूनियन) से जोड़ा।

› पुराण कथाएँ, तीर्थ यात्री, सिपाही, मंदी - किसानों को वैश्विक ज्ञान मिला।

› 'भारत माता की जय' = करोड़ों भारतीय लोगों की जय!